तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

11 बच्चों के सर्वांगीण विकास में मां की भूमिका अमूल्यः रचना

11 छात्राएं सेहत के प्रति जागरूक रहें: डा. अरूण

खबर संक्षेप

पति को पानी लाने भेजा महिला लापता, केस दर्ज

जींद। नए बस अड्डे पर पति को पानी लाने भेज कर महिला संदिग्ध हालात में गायब हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गांव बवानीखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी के पत्नी के साथ देर शाम को रिश्तेदारी में जाने के लिए घर से निकले थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत

कैथल। चीका रोड पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक बाइक समेत दूर जाकर गिरी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की पहचान गांव नरड़ निवासी 25 वर्षीय रमेश उर्फ काला के रूप में हुई है। वह अपनी मजदूरी के पैसे लेने के लिए सीवन जा रहा था।

पति-सास के साथ आई महिला बाजार से लापता

जींद। पति तथा सास के साथ बाजार में कपड़े खरीदने पहुंची महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अहिरका निवासी एक युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन पति तथा सास के साथ बाजार में खरीददारी करने आई थी। उसकी बहन दोनों को जल्दी आने की बात कह कर वहां से चली गई। तलाशने पर कोई सुराग नही लगा।

आरोपित की सहायता करने वाला गिरफ्तार

कैथल। पुंडरी में फिरौती के लिए दुकान पर फायरिंग के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई एसआई सुभाष चंद की टीम द्वारा करते आरोपी फतेहपुर निवासी सागर को काबू कर लिया। डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि 26 फरवरी को मिठाई दुकान के मालिक पर एक बाइक पर सवार अज्ञात युवकों द्वारा फिरौती की मांग के एवज में फायरिंग की गई थी।

आरोपित को शरण देकर सहायता करने वाला दबोचा

कैथल। बाजार में युवक पर हमला करके हत्या करने के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई में एएसआई तरसेम की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव करोड़ा निवासी अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया।

मुख्यमंत्री की वीसी के बाद उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

विवाह समारोह में ड्रोन ना उड़ाएं आतिशबाजी पर भी पाबंदी रहेगी

फायर बिग्रेड, एंबुलेंस की गाड़ियों एक जगह पर ना होकर विभिन्न लोकेशनों पर खड़ी की जाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आपातकालीन स्थिति को देखते संबंधित विभाग तैयारियां रखें पूर्णः रजा

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि संभावित आपतकालीन स्थिति को देखते सभी संबंधित विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियां पूर्ण रखें। जिला में स्थिति सामान्य है, कोई भी नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान ना दें और ना ही भ्रामक प्रचार को आगे फैलाएं केवल जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी की पालना करें। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि पब्लिक हैल्थ के अधिकारी पानी सप्लाई करने से पहले उसकी चैकिंग अवश्यक करवाएं और जलघरों में चौकीदार व होमगार्ड की डयूटी लगाना सुनिश्चित करें।

जींद। बैठक कर दिशा-निर्देश देते डीसी। फोटो :हरिभूमि

कंट्रोल रूम स्थापित किया

जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है कि अगर किसी नागरिक को किसी भी प्रकार की सूचना एवं सहायता लेनी है तो वे कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01681-245206 पर संपर्क कर सकते है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अनावश्यक रूप से खाद्य पदार्थों का भंडार न करें। अगर कोई दुकानदार खाद्य पदार्थ मंहगा बेचता है तो उसकी विशेष निगरानी रखें। फायर बिग्रेड, एंबुलेंस की गाड़ियों को मैनटेंन रखे।

किसी प्रकार की सहायता व सूचना के आदान- प्रदान के लिए लघु सचिवालय के कमरा नंबर 215 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिलावासी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01681-245206 पर संपर्क कर सकते है। इसके साथ- साथ लिपिक नवीन कुमार के मोबाइल नंबर 9812412018 तथा नोडल ऑफिसर डीआरओ राजकुमार के मोबाइल नंबर 9034041552 पर भी संपर्क किया जा सकता है। नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस निरंतर गश्त को बढ़ाकर रखें।

आदेशों की उल्लघंना पर कार्रवाई

डीसी ने जिलावासियों से कहा कि वे विवाह व अन्य कार्यक्रमों में ड्रोन न उड़ाए साथ ही आतिशबाजी भी नहीं करें अगर कोई इन आदेशों की उल्लघंना करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। रात के समय सभी जिलावासी अपने-अपने खिड़की दरवाजे बंद रखें और लाइट को कम से कम जलाएं। कहा कि जिला के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपना स्टेशन मैनटेंन रखें सभी अवकाश रद कर दिए गए है। आपदा प्रबंधन के लिए सभी संबंधित विभाग अपने-अपने संसाधनों की सूची तैयार करें और उन सभी को दुरूस्त रखें। फायर बिग्रेड, एंबुलेंस की गाड़ियों एक जगह पर ना होकर विभिन्न लोकेशनों पर खड़ी की जाएं इसके लिए अधिकारी विशेष मैपिंग तैयार करें।

ये रहे मौजूद

बैठक में पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, जींद एसडीएम सत्यवान सिंह मान, सफीदों एसडीएम पुलकित मल्होत्रा, डीएमसी गुलजार मलिक, सीईओ जिला परिषद अनिल दून, जुलाना एसडीएम होशियार सिंह, नरवाना एसडीएम जगदीश चंद्र, नगराधीश डा. आशीष देशवाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोई भी भ्रामक न्यूज न चलाए

डीसी ने सिविल सर्जन को निर्देश देते कहा कि वे प्राइवेट, सरकारी डॉक्टरों की लिस्ट तैयार कर उन्हें साझा करें ताकि समय पर उनकी सेवाएं ली जा सके और दवाइयों का पुरा स्टॉक रखना सुनिश्चित करें। कोई भी नागरिक भ्रामक तथ्यों पर ध्यान न दें। इस समय जो भी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं तथा वॉलंटियर्स सेवा भाव से कार्य करना चाहते है वह जिला प्रशासन को अपनी सूची दें ताकि सामाजिक सौहार्द को इसी तरह बनाया रखा जा सके। ऐसे स्वयं सेवकों को प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सभी अधिकारी केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन की पालना करना सुनिश्चित करें। सभी पत्रकारों, छायाकारों, इलैक्ट्रोनिक्स मीडिया, सोशल मीडिया से जुड़े साथियों से अनुरोध किया कि वे इस परिस्थिति में देशहित के लिए कार्य करें कोई भी भ्रामक न्यूज न चलाएं। जिससे आमजन में अफवाह फैलें।

कैथल। वीसी में भाग लेती डीसी प्रीति और एसपी आस्था मोदी।

हिदायतों का गंभीरता से पालन करें, लापरवाही न बरतें : प्रीति

- ग्राम सचिव-पटवारी सरपंच, पंच, चौकीदार सफाई कर्मचारी आदि के साथ रखें तालमेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी प्रीति ने आमजन से अपील करते कहा कि जनभागीदारी एवं जागरूकता से ही इमरजेंसी रिस्पांस एवं एहतियाती उपाय मजबूत होंगे। इसलिए आमजन पुख्ता सूचनाओं पर विश्वास करते रिस्पॉन्स करे और अफवाहों या फर्जी सूचनाओं पर विश्वास न करे। बल्कि प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर पर ऐसी फर्जी सूचनाओं की जानकारी सत्यापित करे। मौजूदा हालातों को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग एवं सतर्क है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। इस समय जिले में स्थिति पूर्ण रूप से सामान्य है, लेकिन हमें स्वयं भी सजग रहना है और अपने परिवार का ध्यान रखना है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों का गंभीरता से पालन करें, इसमें कोई भी लापरवाही न बरतें। सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहे और बिना अनुमति के स्टेशन न छोड़ें। नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, जिले में आवश्यक वस्तुएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। डीसी ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि जनता के बीच विश्वास बना रहे और लोग अनावश्यक रूप से बिल्कुल भी घबराएं नहीं।

अपने भवन में मॉक ड्रिल करें

डीसी ने जिले में सभी प्राइवेट बिल्डर्स एवं हाउसिंग सोसायटी समितियों का आह्वान किया है कि वे अपने भवनों में अपने स्तर पर मॉक ड्रिल कर लें। वे यह सुनिश्चित कर लें कि आपात स्थिति में भवन से निकलने के लिए आवश्यक रास्ते हैं या नहीं। आपात सेवाओं की पहुंचने के लिए भी सुगम मार्ग हैं या नहीं। ताकि इनमें बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए लिफ्ट चालू रहे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसपी आस्था मोदी, एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, जिला परिषद सीईओ सुशील कुमार, कलायत एसडीएम कृष्ण कुमार, कैथल एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंद्र, बिजली विभाग के एसई सोमबीर, सीएमओ रेणु चावला, जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागट, कार्यकारी अभियंता प्रशांत ग्रोवर, वरुण कंसल, राजकुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आरोपित से 19 किलो तार बरामद

- अज्ञात ने 10 व्यक्तियों के खेत से तार चोरी कर ली थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

तार चोरी मामले में थाना तितरम पुलिस के एसआई सुभाष की टीम द्वारा आरोपी प्योदा निवासी बंटी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्योदा निवास प्रवीन की शिकायत अनुसार 8 मई की रात अज्ञात ने उसके खेत सहित 10 अन्य व्यक्तियों के खेत से तार चोरी कर ली गई। जो उक्त चोरी बंटी व उसके साथियों ने की है। जो बंटी तो उन्होंने पकड़ लिया। जिस बारे थाना तितरम में मामला दर्ज किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा 19 किलो 200 ग्राम तांबा

तार बरामद की गई। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई का जा रही है। कातिलाना हमला के मामले में सीवन पुलिस ने नाबालिग सहित 2 पकड़ेः कातिलाना हमला करने के मामले की जांच थाना प्रबंधक सीवन एसआई कुलदीप सिंह की टीम द्वारा करते पाबसर निवासी 17 वर्षीय किशोर को निरुद्ध करने के अतिरिक्त पाबसर निवासी आरोपी चिन्ना राम को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पाबसर निवासी जरनैल की शिकायत अनुसार उसके भतीजे चिन्ना राम व धर्म के साथ उनका मनमुटाव चल रहा है। 23 फरवरी को उसका लड़का सुच्चा राम व गुणी राम खेत में बरसीन काट रहे थे। चिन्ना राम व अन्य अपने हाथों में डंडा लिए आए तथा उसके दोनो लड़को पर हमला कर दिया तथा चोटे मारी। शोर सुनकर उसके परिवार वाले आए तो सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गुणी राम को लगी चोटो को डॉक्टर ने प्राणघातक बताया गया था। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्कूटी व एक लोहा पाईप बरामद की गई।

विदेश भेजने के नाम पर सौलह लाख रुपये हड़पे

जींद। वर्क वीजा पर विदेश भेजने का झांसा देकर तथा एक युवती के साथ शादी का फर्जी रजिस्ट्रेशन करवा 16 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। सदर थाना सफीदों पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुआना निवासी रामपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी अर्बन एस्टेट निवासी कुलवंत, उसके बेटे अंकुश से पुरानी जान पहचान रही है। दोनों ने उसकी जान पहचान शिव कालोनी निवासी गोल्डी से करवाई। जिस पर उसने बेटे को वर्क वीजा पर कनाडा भेजने के लिए कहा। जिस पर दस लाख की डिमांड की। आरोपितों ने पासपोर्ट की बात कही। जिसके साथ अलग-अलग माध्यम से आरोपितों को राशि दे दी गई। जिसके बाद आरोपितों ने कहा कि कनाडा का वर्क वीजा बेटे के साथ पुत्रवधु का भी लगेगा। कहा कि बेटा शादीशुदा नही है। आरोपितों ने कार्यालय में काम करने वाली लड़की से फर्जी शादी की बात कही थी।

चाकू घोंपकर भाभी की हत्या का आरोपित देवर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- घरेलू कलह के कारण कर दी थी हत्या, आरोपित पुलिस रिमांड पर

गांव किशनपुरा में भाभी की चाकू मार कर हत्या करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार देवर हुकुमचंद ने घरेलू कलह के चलते अपनी ही भाभी की हत्या की थी। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि गत आठ मई को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव किशनपुरा निवासी सुनीता को मृत हालात में नागरिक अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम शव गृह के पास पहुंची जहां पर बेटे रोहित ने पुलिस को बताया कि वह और उसकी माता सुनीता घर पर थे और उनके पिता व उसके भाई दुकान पर शहर जींद गए हुए थे। उसके चाचा हुकुमचंद ने दिन में शराब पी रखी थी। उसकी माता, उसकी बहन से मिलने के लिए अपने घर से जा रही थी, जब उसकी माता गली में उनके घर के कोने के पास पहुंची तो उसके चाचा हुकुमचंद ने एकदम चाकू से उसकी माता पर हमला कर दिया और उसने अपनी माता को बचाना चाहा तो उसके चाचा ने उसके सामने ही उसकी माता सुनीता को उसके हाथ में लिया हुए चाकू से छाती पर कई वार किए। घटना के बार हुकुमचंद फरार हो गया। रोहित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुकुमचंद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर आरोपित ने बताया कि उसने अपनी भाभी की घरेलू कलह के चलते हत्या की है। शनिवार को उसे अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

फिरोजपुर-सियोनी सुपरफास्ट रेलगाड़ी करीब आठ घंटे लेट

भारत-पाक युद्ध का असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भारत-पाक युद्ध का असर रेलवे पर भी दिखाई दिया। युद्ध का ज्यादा असर पाकिस्तान की सीमा के लगते पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर की तरफ आने-जाने वाली ट्रेनों पर पड़ा है। शनिवार को पंजाब के फिरोजपुर से आने वाली 20424 पतालकोट सुपरफास्ट ट्रेन आठ घंटे की देरी से जींद जंक्शन पहुंची। इसके अलावा कटरा से आने वाली 16032 अंडमान एक्सप्रेस भी एक घंटा लेट हुई और वह 11 बजकर 44 मिनट पर जींद पहुंची। पंजाब के फिरोजपुर से आने वाली 20424 पतालकोट सुपरफास्ट ट्रेन 8. 56 पर जींद जंक्शन पर पहुंचती है। शनिवार को यह ट्रेन 12 बजे भी फिरोजपुर जंक्शन पर खड़ी रही। इस ट्रेन को पाक की तरफ से हो रही गोलाबारी के चलते देरी से चलाया गया। हालांकि यात्री भी इस ट्रेन के आने का इंतजार करते रहे लेकिन जब पूछताछ केंद्र पर पता किया तो पता चला कि यह ट्रेन तो कई घंटे देरी से आ रही है। ऐसे में यात्री घरों की ओर लौट गए और कुछ यात्री बसों का सहारा लेकर रोहतक या दिल्ली की तरफ रवाना हुए। ये ट्रेन शाम 16.42 पर जींद जंक्शन पहुंची और 16032 अंडमान एक्सप्रेस 10.42 की बजाय 11.44 मिनट पर जींद पहुंची। हालांकि इन ट्रेनों में यात्रियों की काफी भीड़ रही। सुबह के समय अपने काम पर जाने वाले लोगों को ट्रेन के लेट होने से परेशानी हुई। इस ट्रेन में रोहतक, बहादुरगढ़, जुलाना या दिल्ली जाने वाले सैंकड़ों लोग अपने कारोबार को लेकर जाते हैं।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर
लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ
अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी
अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प
अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध
अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें
अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स
■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें
लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें
ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार
बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा
ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत
फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि
पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक
अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टफोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए
हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस
अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम
अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)
अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट
घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती
यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट
यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा
यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश
डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश
इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश
इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें
- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड
इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं
1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे
1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

खबर संक्षेप

वेदा इंटरनेशनल स्कूल में मदर डे मनाया

नरवाना। वेदा इंटरनेशनल स्कूल मे मदर डे का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सिल्की चोपड़ा ने बताया कि इस अवसर पर 6जी व 7जी क्लास के बच्चो ने माँ की महिमा नामक लघु नाटिका का प्रस्तुतीकरण किया गया। 5जी व 6जी के बच्चो ने उंगली पकड़ के चला नामक गीत गाया। 7जी की छात्रा ने माँ के महत्व पर प्रकाश डाला।

शहीदों को दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

नरवाना। नरवाना वैलफेयर मंच के संयोजक सरदार हरचरण सिंह ने मंच द्वारा लड़कियों के लिए बनाई फ्री लाईब्रेरी में दो मिनट का मौन रख कर शहीदों को श्रद्धांजलि दीए और अपने सम्बोधन में लोगों से अपील भी की सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करें देश के सीमा प्रहरी का तथा सरकार का यथायोग्य सहयोग करें जिससे देश की आन बान बनी रहे।देश के जवान उनकी जान की परवाह किए बिना देश की सीमाओं पर डटे हैं ।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

जींद। दालमवाला पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की भांति इस बार भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्कूल का आठवां रक्तदान शिविर रहा। हर साल स्कूल इसी तरह से मानवता की भलाई के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। शिविर में करीब 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया। स्कूल में अभिभावक अध्यापक सभा का आयोजन भी किया गया।

ड्रग कंट्रोल विभाग ने किया मेडिकल स्टोर को सील

जींद। ड्रग कंट्रोल विभाग की टीम ने नरवाना में मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस बल भी मौजूद रहा। दुकान से पिछले साल जून में दवाइयों का सैंपल लिया गया था जो जांच में फेल पाया है। ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर जींद गीता गोयल और करनाल से डीसीओ विकास राठी अपनी टीम एवं पुलिसबल के साथ नरवाना में धौला कुआं के पास स्थित अंकित मेडिकोज पर रेड की थी।

वरिष्ठ नागरिक परिषद ने बैठक में किया मंथन

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद जींद की कार्यकारिणी की मासिक बैठक उप प्रधान प्रीतम सिंह बैनीवाल के अध्यक्षता में डे केयर सेंटर में हुई। मीटिंग में जो निर्णय लिए गए उनको अमल में लाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग में यह फैसला लिया गया कि आगामी बैठक में महिलाओं के पास निमंत्रण भेजे जाएंगे।

खेतों से ट्रांसफार्मर बिजली मोटर चोरी

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से चोरों ने बिजली मोटर तथा ट्रांसफार्मर को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव लुदाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खते से दस एचपी की बिजली मोटर को चोरी कर लिया। वहीं बिजली निगम के एसडीओ ने गढ़ी थाना पुलिस को शिकायत दी है।

गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए

जींद। रबी सीजन के अंतर्गत जिले में गेहूं की खरीद एवं उठान प्रक्रिया सुचारू रूप से प्रगति पर है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में खरीदे गए गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए ताकि संभावित वर्षा जैसी प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों से फसल की सुरक्षा हो सके और भंडारण व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव न आए।

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय प्रांगण में शनिवार को एनएसएस इकाई द्वारा तंबाकू निषेध पर शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा किया गया। आरती सैनी ने टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टाफ व छात्राओं को धूम्रपान से नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए शपथ दिलवाई।

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में मातृ दिवस समारोह

बच्चों के सर्वांगीण विकास में मां की भूमिका अमूल्यः रचना

विजेता माताओं को स्मृति चिन्ह और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया

बच्चों ने हिंदी गीतों पर नृत्य कर मां का प्यार संसार का सबसे बड़ा उपहार का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में मातृ दिवस के उपलक्ष में अत्यंत भावनात्मक और हर्षोल्लासपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम की मुख्यअतिथि रचना श्योराण रही। जिन्होंने अपने प्रेरणादायक विचारों से सभी को प्रभावित किया। साथ ही दिव्या मडोत्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बनी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। जिसके पश्चात स्कूल प्रबंधक ने सभी अतिथियों एवं माताओं का हार्दिक स्वागत किया। इस आयोजन का उद्देश्य माताओं के योगदान और उनके निःस्वार्थ प्रेम को सम्मानित करना था। समारोह में अनेक रोचक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें माताओं ने बड़े उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया। माताओं ने सुंदर-सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां देकर यह साबित किया कि वे सिर्फ घर की धुरी नहीं बल्कि प्रतिभा की मिसाल भी हैं। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और भावनात्मक गीतों ने सभी उपस्थितों की आंखें नम कर दी। बच्चों ने माताओं को समर्पित हिंदी गीतों पर नृत्य करते यह संदेश दिया कि मां का प्यार इस संसार का सबसे बड़ा उपहार है। इन प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। मुख्यअतिथि रचना श्योराण ने अपने वक्तव्य में कहा कि मां जीवन की पहली गुरु होती है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका अमूल्य है। ऐसे आयोजनों से समाज में माताओं के योगदान को उचित सम्मान मिलता है। वहीं विशिष्ट अतिथि दिव्या मडोत्रा ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते कहा कि यह समारोह माताओं और बच्चों के बीच संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने का एक सुंदर माध्यम है। समारोह के अंत में विजेता माताओं को स्मृति चिन्ह व उपहार प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से माताओं और अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी करते रहने की बात कही गई। ये दिन विद्यालय परिवार, माताओं और छात्रों के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बनकर रह गया।

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के छात्र कार्तिक का इंस्पायर मानक में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्तिक को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के अधीन इंस्पायर मानक योजना में मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के आठवीं कक्षा के छात्र कार्तिक ने अभिनव विचार से अपना प्रस्तावित विचार राज्य सरकार के द्वारा डिटेक्शन ऑफ ओवरलोडिंग इन व्हीकल विषय पर दिया था। जिसमें उन्होंने सड़कों पर चल रहे वाहनों में अधिक वजन ले जाने से होने वाले खतरों और नियमों के उल्लंघन की समस्या पर समाधान प्रस्तुत किया। उनके नवाचार का मुख्य उद्देश्य था। ऐसी तकनीक विकसित करना, जिससे किसी भी वाहन में निर्धारित सीमा से अधिक भार होते ही सिस्टम स्वतः ही चेतावनी दे और वाहन को स्टार्ट होने से रोक दे। यह विचार न केवल यातायात सुरक्षा को बढ़ावा देता है बल्कि पर्यावरण, सड़क सुरक्षा और वाहनों की कार्यक्षमता को भी संरक्षित रखने में सहायक सिद्ध हो सकता है। प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया और प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि हमें गर्व है।

कैथल। मातृ दिवस पर मां की श्रृंखला बनाते पवनार स्कूल के विद्यार्थी।

पवनार में मनाया मातृ दिवस

कैथल। पवनार पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस की पूर्व संध्या पर बच्चों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यापक अध्यापिकाओं की सहायता से 1 से 8 के विद्यार्थियों ने पोस्टकार्ड और पेंटिंग्स प्रतियोगिता में अपनी भावनाओं को रंगों से भर दिया। बच्चों ने चार्ट पर अपनी -अपनी माता के चित्र भी पेस्ट किए। इन चित्रों को देखकर प्रधानाचार्य जोगिंदर ढूल भाव विभोर हो गए। प्रधानाचार्य ने कहा मातृशक्ति की शिक्षा तथा सही लालन- पालन से ही बच्चे चरित्रवान बन सकते हैं। विद्यालय की प्रबंधक राजश्री ने कहा की मां तो मां होती है। चाहे वह भारत माता हो या जगत जननी जगदंबे मां जिसकी गोद में दुलार मिलता है, आशीर्वाद मिलता है। इस अवसर पर सभी मातृ शक्ति से अपील करते कहा कि कच्ची उम्र में बच्चों को मोबाइल तथा संस्कार हिन संस्कृति से दूर रखना चाहिए।

हत्या के मामले में शामिल महिला सहित दो गिरफ्तार

सफीदों। उपमंडल के सरफाबाद में युवक की हत्या के मामले में सफीदों पुलिस ने एक महिला समेत दो मुख्य आरोपियों को काबू कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुजल व रिंकी के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से रिंकी को जिला जेल भेज तथा आरोपी सुजल को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। सदर थाना प्रभारी विरेंद्र कुमार के अनुसार पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से हत्या के कारणों के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। साथ ही वारदात में प्रयोग किए गए फावडे व लाठी-डंडे को भी बरामद किया जाएगा। गौरतलब है कि इस हत्याकांड को लेकर पुलिस ने आठ के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दिए ब्यान में गांव सरफाबाद निवासी राजेश ने कहा कि उसका भाई पवन उर्फ मक्की (26) सफीदों एसडीएम कोर्ट में पेशी पर गया था।

रेहड़ी पटरी वालों ने किया प्रदर्शन

नरवाना। रेहड़ी पटरी फेरी वैलफेयर एसो के प्रधान शमशेर सिंह एवं उपप्रधान हरिकेश ने 9 मई को नेशनल हाईवे अथोरिटी द्वारा नरवाना में की गई फेरी वालों के खिलाफ कार्यवाही की कड़ी निन्दा की है। उन्होंने कहा कि सर्विस लाईन पर लगी रेहड़ीए पटरी वालों या अन्य किसी प्रकार के अतिक्रमण को हटाये जाने के लिए हमारा कोई विरोध नहीं है। लेकिन जो रेहड़ीए पटरी वाले कई महीनों से लघु सचिवालय नरवाना के आसपास अपना काम कर रहे थे इस कार्यवाही से उनका बहुत नुकसान हुआ है। इससे सभी रेहड़ीए पटरी वालों में भारी रोष है। यदि कोई अतिक्रमण था तो प्रशासन ने शुरूआत में ही उस पर ध्यान देना चाहिए थाए महीनोंए सालों बाद इस प्रकार किसी के जमे.जमाये काम को उखाड़ देना सरासर गलत है। वैलफेयर एसोसिएशन इसका पुरजोर विरोध करती है।

नरवाना। प्रदर्शन करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते महाविद्यालय स्टाफ। *फोटो :हरिभूमि*

बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

जींद। राजकीय पीजी कालेज में एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। ये सेमिनार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में हुआ। सेमिनार के संयोजक गौरव बंसल तथा सहसंयोजक डा. ज्योति लडवाल रहे। उद्घाटन सत्र के मुख्यअतिथि प्रो. दिलबाग सिंह रहे। जबकि मुख्य वक्ता के रूप में डा. कुलदीप सिंह छिक्कारा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अनुसंधान की दिशा और बहुविषयक संवाद की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य प्रो. सत्यवान मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सेमिनार अकादमिक जगत में विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करते हैं। जिससे शोध व नवाचार को नई दिशा मिलती है। यह मंच विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को ज्ञानवर्धन एवं नेटवर्किंग का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

चिराग पब्लिक स्कूल में मदर-डे मनाया

नरवाना। चिराग पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन माताओं के निःस्वार्थ प्रेमए बलिदान और उनके जीवन में निभाए गए महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने के लिए किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों ने माताओं को समर्पित नृत्य, गीत, कविता आदि प्रस्तुतियों के माध्यम से की। बच्चों ने अपने हाथों से बनाए गए पोस्टरए कार्ड और चार्ट भी प्रस्तुत किए गए जिससे उन्होंने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। विद्यालय की शिक्षिकाओं सरिताए सुदेश और समीना ने भी मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश वत्स ने अपने भाषण में मातृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि एक माँ की ममता और मार्गदर्शन किस प्रकार समाज को दिशा प्रदान करता है।

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

जुलाना। कार्यक्रम में रक्तदान करते स्कूल स्टाफ। *फोटो :हरिभूमि*

शिविर में 54 युवाओं ने किया रक्तदान

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के ब्राह्मणवास गांव के वरदे देवी शिक्षण संस्थान में मातृत्व दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। रक्तदान शिविर में 54 युवाओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सतीश वत्स ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम में नर्सरी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। माताओं के लिए 200 मीटर की दौड़ व रस्सा कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता माताओंको पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य सतीश ने छात्रों को संबोधित करते कहा कि मां का स्थान भगवान से भी बढ़कर के होता है।

जींद। मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

आधारशिला स्कूल में मातृ दिवस मनाया

जींद। आधारशिला पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया । इसमें कक्षा चौथी के बच्चों की मांओं को आमंत्रित किया । मुख्यअतिथि की भूमिका किरण मिद्धा, विमला मिद्धा व अराधना शर्मा ने शिरकत की। इसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, भाषण इत्यादि गतिविधियों द्वारा मां के प्रति अपनी संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया। मां विषय पर आधारित लघु नाटिका को इतनी जीवंतता से प्रस्तुत किया कि वहां वहां उपस्थित सभी दर्शक भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम में मांओं के लिए भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सभी ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी मांओं ने अपने इस दिन को विशेष बनाने के लिए विद्यालय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों की सभी प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

सप्ताह में एक दिन जरूर मनाएं ड्राई-डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। ग्रामीणों को जागरूक करते स्वास्थ्य कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अंतर्गत जलालपुर कलां गांव में एमपीएचडब्ल्यू पवन श्योकंद, जयवीर, सुशील शर्मा, पवन कुमार व रामदयाल ने रैपिड फीवर मास सर्वे किया। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई गई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्राम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की व मलेरिया से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए। पवन सिंह ने बताया सर्वे के दौरान नुक्कड़ सभाएं कर आम जनता को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी बुखार से बचाव बारे जागरूक किया। स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है जोकि पानी में जीवनचक्र पूरा करता है। स्वास्थ्य कर्मी ने मलेरिया बुखार के लक्षण बताते कहा कि इसमें कंपकपी के साथ बुखार आता है और पसीना आकर बुखार उतर जाता है। बचाव के तरीके बताते कहा कि अपने आसपास पानी नहीं खड़ा होने दें। अगर पानी खड़ा है तो उसमें काला तेल डाल दें। कूलर का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदल दें, मच्छरदानी लगाकर सोएं और ध्यान रखें कि उस पर मच्छर मारने वाली दवा लगी हो।

जींद। बैठक में भाग लेते एसोसिएशन पदाधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

मांगों पर किया मंथन

जींद। रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन की बैठक प्रधान किताब सिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला में हुई। बैठक में सर्वप्रथम पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की गई निर्मम हत्या पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। बैठक का एजेंडा कुलदीप सिंह गोयत ने पेश किया गया। मीटिंग में उपस्थित ओम सिंह सांगवान, जयनारायण जिलेदार, जयसिंह धनखड़ आदि ने अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं से संबंधित सरकार से समय लेकर बातचीत के माध्यम से समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा और उसके साथ-साथ ज्वाइंट एक्शन कमेटी रिटायर्ड कर्मचारी हरियाणा से भी इन चिरविलंबित मांगों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल में स्वास्थ्य जांच शिविर

छात्राएं सेहत के प्रति जागरूक रहें: डा. अरूण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच करते स्वास्थ्य विभाग की टीम।

माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल पिल्लूखेड़ा में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसएमओ डा. अरूण के नेतृत्व में चिकित्सक टीम ने 450 छात्राओं के वजन, ऊंचाई, खून व स्वास्थ्य की जांच की। टीम में शामिल सीएचओ रेणू, सोनिया, एलटी रेखा, एमपीएचडब्ल्यू विनोद, सुशीला, सोमवती, देवेंद्र व शकुंतला ने भी स्वास्थ्य जांच में सहयोग किया। टीम ने स्वास्थ्य जांच के दौरान छात्राओं को साफ-सफाई व हाइजिन जैसी अनेक स्वास्थ्य संबंधि जानकारियां दी। गुरूकुल प्राचार्या ज्योति बताया कि स्कूल की 450 छात्राओं की चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान जिन भी छात्राओं में खून की कमी पाई गई, उन्हें दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई तथा बच्चों को पोषित भोजन लेने के बारे में अवगत कराया गया। एसएमओ डा. अरूण ने छात्राओं को संदेश दिया कि स्वस्थ मस्तिष्क के लिए शरीर का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। छात्राएं सेहत और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें। छात्राओं को मासिक धर्म के बारे में भी समझाया और कहा कि बेटियां बेझिझक परेशानियों को माता-पिता, गुरुजनों व चिकित्सकों को बताएं। जिससे समय रहते परेशानियों का समाधान किया जा सके। सुपरवाइजर शकुंतला द्वारा छात्राओं को स्वच्छता की जानकारी दी गई ताकि उनमें खून की कमी ना रहे। छात्राओं से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहने से समय पर बीमारियों का जल्द पता चल जाता है। जिससे उसका हर इलाज भी संभव होता है। सुपरवाइजर शकुंतला ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि छात्राएं अगर नियमित व्यायाम करें, पौष्टिक भोजन का सेवन करें, पर्याप्त पानी पिएं, स्वस्थ वजन बनाए रखें, लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें, घर का खाना खाएं, जंक फूड से दूर रहें, दांतों की नियमित सफाई करें तो वो बीमारियों से लाखों कोस दूर रहेंगी। कहा कि अकसर कहा जाता है कि देश को मजबूत बनाना है लेकिन देश मजबूत तभी बन सकता है जब कल का भविष्य कहे जाने वाली हमारी छात्राएं व बच्चे खुद को स्वस्थ रखेंगे।

जींद। यज्ञ में आहूति डालते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

वीर सैनिकों की विजय की कामना

जींद। डीएवी स्कूल के सभी शिक्षकों ने शनिवार को राष्ट्र रक्षा यज्ञ किया। जिसमें सभी शिक्षकों ने यज्ञ में आहुति देकर अपने देश के वीर सैनिकों की विजय की कामना की। इस मौके पर हरियाणा साहित्य और संस्कृति अकादमी के निदेशक डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास हार का इतिहास रहा है 1947 हो, 1965 या 1971, हर बार भारत ने पाकिस्तान को मजा चखाया है। परंतु पाकिस्तान ने एक भी लड़ाई से सबक नहीं लिया। वह जब खुली लड़ाई में हार जाता है तो उग्रवाद के द्वारा युद्ध आरंभ कर देता है। वह भी एक प्रकार का युद्ध होता है। धोखे और फरेब के ऊपर पाकिस्तान का जन्म हुआ इसलिए वह सदा छल कपट से ही काम लेता है। लेकिन इस बार उसका पाला नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री से पड़ा है। नरेंद्र मोदी इस बार पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएंगे कि वह सदा के लिए याद रखेगा और इस समस्या को भी सदा के लिए समाप्त कर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक 12 को

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि 12 मई को प्रातः 11 बजे स्थानीय डीआरडीए हॉल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन होगा। इस बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में 18 शिकायतें समाधान के लिए रखी जाएंगी।

व्यक्ति से की 36 हजार रुपये की ठगी

कैथल। जिले में पानी का कनेक्शन काटने की बात कहकर अज्ञात आरोपी ने एक व्यक्ति से 36 हजार रुपए ठग लिए। आरोपी ने पहले उसे मैसेज किया। बाद में उसके पास एक लिंक भेजा। जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया तो दो बार में खाते से रुपए कट गए। इस संबंध में पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवती बिन बताए हुई लापता, केस दर्ज

कैथल। गांव कुलतारण से एक युवती बिना बताए घर से चली गई। गांव के एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 8 मई को उसकी 23 वर्षीय बहन बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने उसकी आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। एएसआई बलजीत ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

10 किसानों के खेतों से केबल तार व सामान चोरी

कैथल। गांव प्योदा से 10 किसानों के यहां से बिजली की केबल व अन्य सामान चुराने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव प्योदा के प्रवीण ने तितरम पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 मई को बंटी नामक युवक ने अन्य अपने साथियों के साथ मिलकर उसके वह उनके साथ लगते अन्य 10 किसानों के खेतों में लगे स्टार केबल तार व अन्य सामान चुरा लिए।

फर्जी आईडी बनाकर की अभद्र टिप्पणी, केस दर्ज

कैथल। साइबर क्राइम पुलिस द्वारा एक महिला की फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर उसकी फोटो लगाते हुए अभद्र टिप्पणियां करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कैथल की एक कॉलोनी की महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा फेसबुक पर उसके नाम से आईडी बनाकर उसकी फोटो लगा ली तथा इस प्रकार से उसे अभद्र टिप्पणियां की।

दुकानदारों ने फिर अवैध कब्जा बहाल किया

नरवाना। शुक्रवार को नरवाना के बस स्टैंड के पास से राष्ट्रीय राजमार्ग पर से प्रशासन द्वारा अतिक्रमण एस डी एम चंद्र सिंह के आदेश अनुसार बी डी ओ जितेन्द्र चौहान व सुशील गौड़ और अमित कुमार ने भारी संख्या में पुलिस बल को साथ में लेकर अवैध अतिक्रमण हटाने का काम किया।

युवाओं ने पीएम को लिखी चिट्ठी

जींद। गावं थुआ के युवाओं ने एक अनूठी पहल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री हरियाणा को ई-मेल के माध्यम से पीएम को चिट्ठी लिख कर बिना वेतन के सरहद पर जाकर देश की सेवा करने की इच्छा जताई है। गांव के राजबीर सिंह थुआ ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा पहलगाम में निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया है।

गीता मंदिर में रासलीला कार्यक्रम रद

सफीदों। नगर के गीता मंदिर में आगामी 12 व 16 मई तक आयोजित होने वाले रास लीला कार्यक्रम वर्तमान भारत-पाकिस्तान स्थिति एवं देश में उत्पन्न असमंजसपूर्ण वातावरण के कारण स्थगित कर दिया गया। यह जानकारी संस्था श्री गीता मंदिर सभा के प्रतिनिधि रामेश्वर दास गुप्ता ने दी है।

एकाएक मौसम ने ली करवट, गर्मी से मिली राहत

बारिश से अनाज मंडी में भीगा अनाज, किसानों की बढ़ी मुसीबत

बारिश से नगर के जींद रोड़, मकबरा पीर रोड़, घोड़ा पूली, सब्जी मंडी, पुरानी अनाज मंडी में पानी भर गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सफीदों

सफीदों। नई अनाज मंडी में भीगा अनाज व बोरियां। *फोटो : हरिभूमि*

शनिवार को थोड़ी ही देर हुई बारिश में सफीदों नगरी जलमग्न हो गई। मौसम विभाग द्वारा बारिश होने के आसार जताए जा रहे थे। पिछले कई दिनों से गर्मी बनी हुई थी। बारिश ने गर्मी से तो लोगों राहत दी, लेकिन दूसरी ओर सड़कों पर जलभराव के कारण जनता की दिक्कतें भी बढ़ा दी। बारिश के कारण नगर की हर सड़क जलमग्न हो गई। नगर के जींद रोड़, मकबरा पीर रोड़, घोड़ा पूली, सब्जी मंडी, पुरानी अनाज मंडी में पानी भर गया। वहीं नई अनाज मंडी में खुले व बोरियों में भरा अनाज बारिश के पानी में तरबतर हो गया। सघन सफाई ना होने के कारण नाले-नालिया जवाब दे गए। सड़कों पर वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि मानसून से पहले-पहले सफीदों की सभी नाले-नालियों की सघन साफ-सफाई करवाई जाए। इसके अलावा नगर से गुजर रही डिच ड्रेन को की तत्काल साफ करवाया जाए ताकि बरसाती पानी की सुलभ निकासी हो सके।

बारिश की संभावना, अलर्ट जारी

कैथल। शहर में पिछले 15 दिनों से मौसम में उतार- चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। वर्षा से तापमान में गिरावट आई है, जिससे मौसम ठंडा हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 12 मई तक वर्षा की संभावना है, जिससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। गर्मी से राहत मिलने से लोग खुश हैं और बिजली की मांग भी कम हो गई है। मौसम में बदलाव होने के बाद तापमान में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। शनिवार को दोपहर के समय तो धूप खिली रही, लेकिन शाम के समय आसमान में बादल छाए, लेकिन बारिश नहीं हुई। इस दौरान कुछ समय के लिए हवाएं चली जिससे मौसम ठंडा होने से तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री व न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

स्वास्थ्य का विभाग का दिनभर मंथन जारी

जींद। सूची तैयार करने में जुटे अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- पूरा दिन स्वास्थ्य अधिकारी जुटे रहे संसाधानों की गिनती में
- स्पेशल वार्डों को बनाने में जुटा विभाग
- अलग-अलग विंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

वार को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी अपनी तैयारियों में जुट गया है। बाकायदा स्वास्थ्य सुविधाओं के हर विभाग को लेकर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूद संसाधनों की सूची तैयार की गई है। इसके अलावा जिला में मौजूद निजी अस्पतालों की सूची तथा उनमें मौजूद बैड व चिकित्सकों की जानकारी की भी सूची तैयार की गई है ताकि किसी भी गंभीर स्थिति से निपटने के लिए मरीजों को इन निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया जा सके। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग मरीजों को लाने व ले जाने के लिए अपने ट्रांसपोर्ट (एंबुलेंस सेवा) पर विशेष जोर दे रहा है ताकि समय पर गंभीर मरीज को उपचार के लिए संबंधित अस्पतालों में उपलब्ध करवाया जा सके। स्वास्थ्य अधिकारी सीएमओ डा. सुमन कोहली के नेतृत्व में शनिवार को पूरा दिन संसाधनों की गिनती में जुटे रहे। विभाग ने संसाधनों की अलग-अलग सूची तैयार की। जिसमें चिकित्सकों की संख्या, बैडों की संख्या, निजी अस्पतालों की संख्या, निजी अस्पतालों में बैडों की संख्या, निजी अस्पताल चिकित्सक का मोबाइल नंबर, अस्पताल में मौजूद दवाइयों की उपलब्धता, आईसीयू, स्पेशल वार्ड आदि की अलग-अलग सूची तैयार की गई।

आगामी आदेशों तक ऑन कॉल रहे स्वास्थ्य अधिकारी

संभावित वार को देखते हुए आगामी आदेशों तक किसी भी स्वास्थ्य अधिकारी को स्टेशन छोड़ने की इजाजत नही है। हालांकि सभी स्वास्थ्य अधिकारियों की छुट्टियों को पहले ही रद्द किया गया है। इसके अलावा सभी चिकित्सक, अधिकारी ऑनकॉल ड्यूटी पर रहेंगे। रेफरल सेवा के लिए अलग से इंचार्ज की व्यवस्था की गई है।

कैथल। सेमिनार में भाग लेते पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सेमिनार दौरान किशोर न्याय अधिनियम तथा अरनेश कुमार की गाइड लाइन के बारे में बताया

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार पुलिस लाइन कैथल के सभागार में सभी थाना प्रबंधकों सहित अनुसंधान अधिकारियों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार दौरान डीडीए जयभगवान गोयल, सदस्य जेजे बोर्ड कैथल अरविंद खुरानिया व डीएसपी सुशील प्रकाश द्वारा वहां मौजूद थाना प्रबंधको व अनुसंधान अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। डीडीए जयभगवान गोयल द्वारा अनुसंधान में रहने वाली त्रुटियों बारे व अरनेश कुमार की गाइडलाइन की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि किशोर न्याय अधिनियम उन बच्चों के लिए प्रावधान करता है जो कानून के साथ संघर्ष में हैं या जिनके देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता है। इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने से बच्चों के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कानून में हुए अन्य बदलाव बारे तथा माननीय सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट द्वारा जारी अन्य गाइडलाइन बारे भी सभी को जानकारी दी गई।

खंडालवा मटौर खेड़ी भालंग सेवा समिति ने अमरजीत को प्रधानाचार्य बनने पर किया सम्मानित

- भारतीय सेना के पराक्रम को किया सलाम, पाक पर सेना की कार्रवाई को बताया सही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। खंडालवा मटौर खेड़ी भालंग सेवा समिति के पदाधिकारी प्रधानाचार्य अमरजीत मौण को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

खड़ालवा मटौर खेड़ी भालंग सेवा समिति द्वारा शनिवार को समिति कार्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें समिति सदस्य भाई अमरजीत मौण को प्रवक्ता-हिन्दी (पीजीटी) से प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नत होने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने उनका फूलमालाओं से अभिनंदन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि अमरजीत मौण जैसे कर्मठ और शिक्षित व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा मिलती है। इस दौरान समिति ने भारतीय सेना द्वारा आतंकवाद पर किए गए कड़े प्रहार की सराहना करते हुए, सेना के साहस और पराक्रम को सलाम किया। उन्होंने कहा कि सेना का मनोबल और बलिदान हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। इस मौके पर प्रधान पाल सिंह, रिटायर्ड डीईओ दलीप सिंह, उप-प्रधान कृष्ण पटवारी, महासचिव जगमग मटौर, राममेहर खेड़ी, कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र, दयानंद मास्टर, सतीश मास्टर, प्रवीण मास्टर, श्रवण मास्टर, जगदीश बनवाला, भगवाना, मास्टर नरेश, धर्मपाल, सुरेश शर्मा, अनिरुद्ध शर्मा आदि मौजूद रहे।

आपातकालीन स्थित को लेकर नप चेयर पर्सन सुरभि ने पार्षदों के साथ की बैठक

- 31 पार्षदों ने भाग लिया, सभी पार्षद रहें सतर्क, अफवाहों से बचें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग पार्षदों की बैठक को संबोधित करते हुए।

देश में बन आपातकालीन हालात को देखते हुए नगर परिषद कार्यालय में हाउस की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने की। बैठक में नप सचिव दीपक कुमार, कार्यकारी अभियंता रवि आबराय सहित सभी 31 पार्षदों ने भाग लिया। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि देश में जो इस समय आपातकालीन स्थित है, उसे लेकर हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं अपने-अपने वार्ड वासियों की सुरक्षा व हर संभव सहायता के लिए सभी वार्ड के लोगों के साथ चर्चा करते रहें। किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति बनने अपने जिला प्रशासन की तरफ से नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी को सूचित करें। चेयरपर्सन ने कहा कि इस स्थिति को लेकर सभी पार्षद एकजुट रहें, सरकार व प्रशासन की तरफ से जनहित को लेकर किए जाने वाले कार्य में अपना सहयोग दें। अपने-अपने वार्डों में सतर्क रहें। रात के समय वार्डों में घरों की लाइट बंद रखें। स्ट्रीट लाइट भी बंद रखें। को भी स्थिति होने पर नोडल अधिकारियों को सूचित करें। चेयरपर्सन ने कहा कि झूठी अफवाहों पर ध्यान न दें। झूठी अफवाह पर कार्रवाई की जाएगी।

पूंडरी। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते सदस्य।

हरियाणा मार्केट कमेटी ऑक्सनर एसोशिएशन का संजीव कुमार कैथल को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया

पूंडरी। हरियाणा की सभी मार्केट कमेटियों के ऑक्शनरों की एक महत्वपूर्ण बैठक पूंडरी में संपन्न हुई। इस बैठक में रा'य की विभिन्न मंडियों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सामूहिक सहमति से एक नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जो मंडी व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करेगी। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से टहल सिंह चीका मंडी को चेयरमैन, अशोक कुमार तरावड़ी को उप-चेयरमैन, संजीव कुमार कैथल को प्रदेशाध्यक्ष, रमेश कुमार करनाल को उपाध्यक्ष, राजेंद्र शर्मा पूंडरी को सचिव, अशोक शर्मा पीपली मंडी को कोषाध्यक्ष व विजेंद्र कुमार पानीपत, सुरजीत मतलौड़ा, रामरूप कैथल, संदीप कुमार सफीदों, अजय कुमार उचाना, दिलबाग सिंह गोहाना, रामनारायण शाहबाद व जयवीर शर्मा पूंडरी को सदस्य नियुक्त किया गया।बैठक के दौरान विभिन्न मंडियों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उनके समाधान हेतु रणनीति बनाई गई। नई कार्यकारिणी ने आश्वासन दिया कि वे पारदर्शिता और समन्वय के साथ मंडी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहयोग करेंगे।

न्यूज डायरी

किरण और सुमन वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए रवाना

जींद। जींद की रोइंग खिलाड़ी किरण और सुमन आगामी सीजन में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भारतीय टीम में शामिल होने के लिए बैंगलोर रवाना हो गई हैं। किरण और सुमन सीनियर कैटेगरी में अपना दमखम दिखाएंगी। बैंगलोर में ट्रायल के बाद दोनों खिलाड़ी भारतीय महिला टीम के साथ हैदराबाद के लिए कैंप रवाना होंगी। किरण डाहौला गांव से है और सुमन संगतपुरा गांव से है। कोच चांद चहल ने बताया कि अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियनशिप जर्मनी में जुलाई माह की शुरुआत में होने की संभावना है। वहीं एशियन चैंपियनशिप भोपाल में नवंबर में नवंबर माह में होगी। चहल ने बताया कि एशियन चैंपियनशिप 20 साल बाद भारत में हो रही है। इससे पहले 2005 में हैदराबाद में एशियन चैंपियनशिप हुई थी। ऐसे में भारत को लंबे समय के बाद एशियन चैंपियनशिप की मेजबानी करने का मौका मिला है।

आदर्श सीसे स्कूल जाखौली में मां का महत्व बताया

राजौंद। बुद्ध पूर्णिमा और मदर्स डे पर आदर्श सीनियर सैकेंडरी स्कूल जाखौली में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने मां की महिमा पर आधारित गीत कविताएं और नाटकों के माध्यम से अपने प्रेम और सम्मान का व्यक्त किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य ओ पी शर्मा ने कहा माँ केवल एक शब्द नहीं बल्कि हमारे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा का स्रोत हैं। इस दिन हम उनकी महिमा का जश्न मनाते हैं और उन्हें धन्यवाद देते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को 12 मई को अवकाश का आनंद लेने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने परिवार विशेष रूप से अपनी माँ के साथ समय बिता यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों को सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराता है बल्कि एक सशक्त और प्रेरणादायक वातावरण भी प्रदान करता है।

नशा तस्करों पर कार्रवाई, आरोपी को भेजा जेल

कैथल। एसएचओ थाना कलायत एसआई जयभगवान की अगुवाई में एएसआई बलवान सिंह की टीम द्वारा आरोपी वार्ड नं. 2 कलायत निवासी राजेश कुमार को पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी आस्था मोदी ने बताया कि पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में जो आरोपी लंबे समय से नशे के कारोबार से जुड़ा हुआ है और बार-बार ऐसे मामलों में पकड़ा जाता रहा है। ऐसे में उसके आदतन नशा तस्कर होने का अनुमान होने पर पुलिस द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई करके गृह सचिव को भेजा जाता है। इस एक्ट में गिरफ्तारी के लिए आरोपी के पास से कुछ भी बरामद होना जरूरी नहीं है। उसे डिटेन किया जा सकता है। आरोपी राजेश कुमार के खिलाफ नशा तस्करी के 4 मामले दर्ज है। गृह सचिव ने आरोपी के खिलाफ आदेश पारित करते हुए उसे जेल भेजने के आदेश दिए थे। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि इस एक्ट के तहत नशा बेचने वालों, नशा रखने वालों, नशा बनाने वालों, एक जगह से दूसरी जगह सप्लाई करने वालों, नशा बेचने वालों का सहयोग करने वालों, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नशा बेचने वालों की फाइनेंशियल हेल्प करने वालों और ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। एसपी ने कहा कि पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई के लिए जिला के अन्य नशा तस्करों को भी चिन्हित किया जा रहा है, जो उनको खिलाफ भविष्य में कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि नशा तस्कर समाज को खोखला कर रहे है, उनके खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। नशा तस्करों की असली जगह सलाखों पीछे है।

विज्ञान निबंध प्रतियोगिता में टॉप टेन में रही छात्रा खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

छात्रा खुशी

हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा हर वर्ष राज्य के सभी स्कूलों में विज्ञान निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाया जाता है। इस बारे स्कूल प्राचार्या सुनीता आहूजा ने बताया कि इस कंपटीशन में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी की छात्रा खुशी ने कक्षा 11वीं में विज्ञान संकाय में राज्य स्तर पर प्रथम दस विजेताओं में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि अब सरकार की तरफ से इस छात्रा को 3000 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता 17 जनवरी 2025 को राजकीय कन्या वरिष्ठ मा ध्य मि क विद्यालय जींद में आयोजित की गई थी। इससे पहले इस छात्रा ने जिला स्तर पर हुई प्रतियोगिता में भी पहले पांच विजेताओं में स्थान पाया था। स्कूल प्राचार्य डॉ सुनीता आहूजा ने बताया कि खुशी एक बहुत ही होनहार छात्रा है और यह पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय की सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेती है। इसके लिए सभी स्टाफ सदस्यों ने छात्रा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी ।

स्नातक द्वितीय वर्ष छात्रों के लिए सेमिनार आयोजित

ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षा के सुधार के लिए कवायद

- संगठन 6 से 16 वर्ष के बच्चों पर शिक्षा के गणित व भाषा के क्षेत्र में सर्वे करती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। वक्ता को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आइक्यूएसी के तत्वावधान में इंटर्नशिप के लिए स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रथम सेमिनार का आयोजन कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित था जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा के सुधार के लिए कार्य करने वाले एनजीओ प्रथम के राज्य अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने अपने संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह संगठन 6 से 16 वर्ष के बच्चों पर शिक्षा के गणित व भाषा के क्षेत्र में सर्वे करती है। ड्रॉप आउट बच्चन वह भाषा तथा गणित में उनकी कमजोरी को पहचान कर वालंटियर के माध्यम से उनकी शिक्षा में सुधार करती है। नरवाना क्षेत्र में इस के लिए इस गैर सरकारी संगठन ने महाविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ मिलकर इंटर्नशिप के माध्यम से गर्मी की छुट्टियों में ग्रामीण क्षेत्र में समर कैंप लगाकर उनकी इंटर्नशिप पूरी करने व कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा में सुधार का मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करेगी। इस तरह से कार्य करने से विद्यार्थियों में संचारए टीमवर्कए समय प्रबंधन और तकनीकी कौशलों में सुधार होगा तथा उन्हें अध्ययन क्षेत्र से जुड़ा वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। दूसरे तकनीकी सेमिनार में बीकॉमए बीबीएए बीटीएमए आनर्सए मेडिकल नॉन मेडिकल के विद्यार्थियों के लिए ए डब्ल्यू एल मैटावर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। मेटैवर्स कंपनी की तरफ से डायरेक्टर राकेश श्योकंद व सीआरएसयू में कार्यरत सहायक प्रोफेसर संदीप राठी ने कंप्यूटर के क्षेत्र में कार्य करके रोजगार के अवसरों को कैसे प्राप्त किया जा सकता हैए के बारे में विस्तार से बताया। साइबर क्राइमए साइबर अटैक से बचावए वेबसाइट मेकिंग वेबसाइट डिजाइनिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन व विभिन्न प्रकार के विषय वस्तु को डालकर कैसे कमाई की जा सकती है।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी*

वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है। देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां

विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

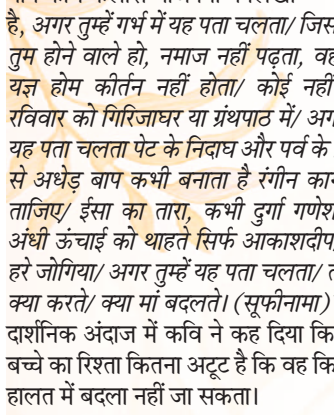

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव

डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का

रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

मांजी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

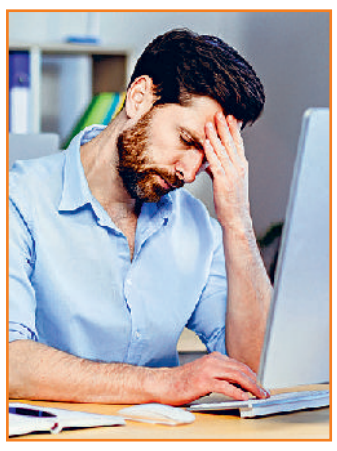

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

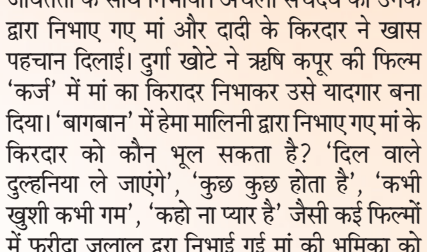

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *